Nai Dunia (Indore), 19th February 2016, Page – 20

'स्मार्ट सिटी बनाने में एजुकेशन के साथ इनोवेशन भी जरूरी'

आईआईटी की तीन दिनी कॉन्क्लेव में बोले एक्सपर्ट्स

इंदौर। इंडस्ट्री-एकेडमी के कोलेबरेशन से ही शहर स्मार्ट हो सकते हैं। एकेडमी में नए विषयों को लेकर लगातार शोध होना चाहिए। जब इंडस्ट्री-एकेडमी का कोलेबरेशन होगा, तभी हम भविष्य की चुनौतियों से निपट पाएंगे। यह बात आईआईटी की कॉन्क्लेव में कंपनियों से आए एक्सपर्ट्स ने कही।

सिमरोल कैंपस में गुरुवार से शुरू हुई कॉन्क्लेव के पहले दिन स्मार्ट सिटी को लेकर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। टीसीएस के वाइस प्रेसीडेंट के अनंत कृष्णन ने कहा कि इंडस्ट्री में काम कर रही कंपनियों को भी एक-दूसरे से कोलेबरेशन करना होगा। एंटरप्रेन्योर, स्टार्टअप्स, बड़ी कंपनियां, पॉलिसी मेकिंग फर्म्स जब एक प्लेटफॉर्म पर आकर काम करेंगी, तभी हम शहरों को स्मार्ट बना पाएंगे।

कैंपस में प्रोडयूस कर सकते हैं बायोगैस

एनआईटी जयपुर से आए डॉ विवेकानंद ने कहा कि स्टूडेंटस चाहें तो कैंपस में ही बायोगैस प्रोडयूस कर सकते हैं। होस्टलों में खाने के

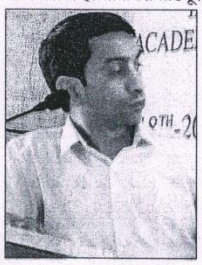

पहले व बाद निकलने वाले वेस्ट को एक जगह इकटठा किया जाए। गार्डन और कैंपस में जितना भी वेस्ट निकलता है उसे इकट्ठा करें और बायोगैस प्लांट में डालें। इससे फूड वेस्ट भी नहीं होगा ओर कैंपस साफ भी रहेगा। उन्होंने बताया कि यदि हमने रिन्यूबल एनर्जी का उपयोग नहीं बढ़ाया तो सन 2040 तक हमें 90 प्रतिशत क्रूड ऑइल इम्पोर्ट करना पड़ेगा। इससे हमारी इकोनॉमी पर विपरीत असर होगा। उन्होंने कहा कि शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए एजुकेशन के साथ इनोवेशन की जरूरत है।

जापान से सीखें मैन्यूफैक्चरिंग

वीई कमर्शियल व्हीकल के सीनियर वॉइस प्रेसीडेंट बी. अनिल बलिगा ने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग के मामले में पूरी दुनिया में जापानियों का मुकाबला नहीं है। इसकी वजह उनका विजन है। वे बोले कि हम भारतीय सब काम बड़े आराम से करते हैं। अपने 'कम्फरटेबल जोन' से बाहर नहीं आना चाहते, जबकि जापानी हर एक मिनट का उपयोग करते हैं।

5 साल में राजबाड़ा क्षेत्र बन जाएगा स्मार्ट

कॉन्क्लेव में इंदौर के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के एडिशनल डायरेक्टर रोहन सक्सेना ने कहा कि हम 5 साल में इंदौर के राजवाड़ा क्षेत्र को स्मार्ट बना देंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में आईआईटी, आईआईएम जैसे संस्थानों के विद्यार्थियों से मिलने वाले इनोवेटिव आइडिया को भी शामिल किया जाएगा। स्टूडेंटस द्वारा स्मार्ट सिटी का मतलब पूछने पर उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी यानि क्वालिटी ऑफ लाइफ। कॉन्क्लेव की शुरुआत में आईआईटी के डायरेक्टर प्रदीप माथुर ने संबोधन दिया। शुक्रवार को कॉन्क्लेव में इंडिया के साथ ही यूएसए के एक्सपर्ट्स अपनी बात रखेंगे।